

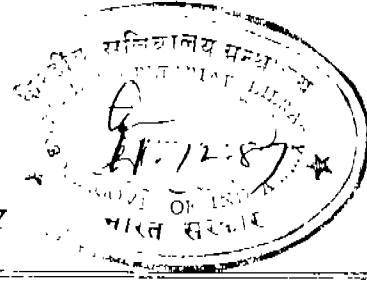


भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग I—खण्ड 1
PART I—Section 1

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY



सं० 201]

नई दिल्ली, सोमवार, सितम्बर 28, 1987/आश्विन 6, 1909

No. 201]

NEW DELHI, MONDAY, SEPTEMBER 28, 1987/ASVINA 6, 1909

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में
रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a
separate compilation

वित्त संचालय

(प्राधिकार कार्य विभाग)

नई दिल्ली, 28 सितम्बर, 1987

अधिवृत्ता

सं. एफ. 4 (5) डब्ल्यू एण्ड एम/87 :-10.50 प्रतिशत ऋण, 1997 (तीसरा निर्गम), 11.00 प्रतिशत ऋण, 2002 (तीसरा निर्गम) और 11.50 प्रतिशत ऋण, 2007 के लिए 1500 करोड़ रुपये की कुल राशि के वास्ते 5 अक्टूबर, 1987 को बैंकिंग समय की समाप्ति तक अधिदान नकदी में स्वीकार किये जायेंगे। परक्राम्य लिखित अधिनियम, 1881 के अधीन किसी राज्य सरकार द्वारा 5 अक्टूबर, 1987 को छुट्टी घोषित किये जाने पर अगले कार्य दिन बैंकिंग समय की समाप्ति तक संबंधित आदाता कार्यालयों में अधिदान स्वीकार किये जायेंगे। सरकार को 1500 करोड़ रुपये से अधिक प्राप्त 10 प्रतिशत या यथा-संभव उसके निकट तक के अधिदानों को रख लेने का अधिकार है।

2. यदि उपर्युक्त ऋणों की कुल अधिदान राशि 1650 करोड़ रुपये से अधिक हो तो अधिदानों को आनुपातिक आधार पर नकदी में आंशिक आबंटन किया जाएगा। यदि आंशिक आबंटन किया जाता है तो आंशिक आबंटन के बाद यथाशेष अधिक अधिदान की राशि लौटा दी

जाएगी। इस प्रकार लौटाई गयी राशियों पर कोई ब्याज भ्रदा नहीं किया जाएगा।

3. र. 100.00 प्रतिशत की दर पर जारी किया जाने वाला और 11 मई 1997 को सममूल्य पर प्रतिदेय 10.50 प्रतिशत ऋण, 1997 (तीसरा निर्गम)]

- वापसी भ्रदायगी की तारीख ऋण 11 मई 1997 को सममूल्य पर वापस भ्रदा किया जाएगा।
- निर्गम मूल्य—प्रत्येक र. 1000.00 (मांकेतिक) का निर्गम मूल्य र. 1000.00 होगा।
- ब्याज—इस ऋण की ब्याज दर 5 अक्टूबर, 1987 से वार्षिक 10.50 प्रतिशत होगी। 5 अक्टूबर 1987 से 10 नवंबर 1987 (सहित) तक की भ्रदधि का ब्याज 11 नवंबर 1987 को भ्रदा किया जायेगा और उसके बाद प्रत्येक छमाही में 11 मई और 11 नवम्बर को ब्याज भ्रदा किया जाएगा। इस प्रकार भ्रदा किये गये ब्याज पर नीचे दिये हुए अनुच्छेद 8 और 9 के उपबंधों के अधीन आयकर अधिनियम, 1961 के अंतर्गत कर लगेगा। ब्याज की शुद्ध राशि निकटतम 5 पैसे में पूर्ण-कृत करने के बाद भ्रदा की जायेगी।

4. र. 100.00 प्रतिशत की दर पर जारी किया जाने वाला और 11 मई 2002 को सममूल्य पर प्रतिशेय 11.00 प्रतिशत ऋण, 20⁰² (सीसा विंगेम)

- (i) बापसी भ्रदायगी की तारीख—ऋण 11 मई 2002 को सम-मूल्य पर बापस भ्रदा किया जाएगा ।
- (ii) निर्गम मूल्य प्रत्येक र. 1000.00 (सांकेतिक) का निर्गम मूल्य र. 1000.00 होगा ।
- (iii) ब्याज—इस ऋण की ब्याज दर 5 अक्टूबर, 1987 से वार्षिक 11.00 प्रतिशत होगी । 5 अक्टूबर, 1987 से 10 नवंबर 1987 (सहित) तक की अवधि का ब्याज 11 नवंबर 1987 को भ्रदा किया जाएगा और उसके बाद प्रत्येक छमाही में 11 मई और 11 नवंबर को ब्याज भ्रदा किया जाएगा । इस प्रकार भ्रदा किये गये ब्याज पर नीचे दिये हुए अनुच्छेद 8 और 9 के उपबंधों के अधीन आयकर अधिनियम, 1961 के अंतर्गत कर लगेगा । ब्याज की शुद्ध राशि निकटतम 5 पैसे में पूर्णांकित करने के बाद भ्रदा की जायेगी ।

5. र. 100.00 प्रतिशत की दर पर जारी किया जानेवाला और 8 अक्टूबर, 2007 को सममूल्य पर प्रतिशेय 11.50 प्रतिशत ऋण, 2007

- (i) बापसी भ्रदायगी की तारीख [ऋण 5 अक्टूबर 2007 को सम-मूल्य पर बापस भ्रदा किया जाएगा ।
- (ii) निर्गम मूल्य प्रत्येक र. 1000.00 (सांकेतिक) का निर्गम मूल्य र. 1000.00 होगा ।
- (iii) ब्याज—इस ऋण की ब्याज दर 5 अक्टूबर 1987 से वार्षिक 11.50 प्रतिशत होगी । ब्याज प्रत्येक छमाही में 5 अप्रैल और 5 अक्टूबर को भ्रदा किया जायेगा । इस प्रकार भ्रदा किये गये ब्याज पर नीचे दिये हुए अनुच्छेद 8 और 9 के उप-बंधों के अधीन आयकर अधिनियम, 1961 के अंतर्गत कर लगेगा । ब्याज की शुद्ध राशि निकटतम पूर्ण रुपये में पूर्णांकित करने के बाद भ्रदा की जायेगी । इस प्रयोजन के लिए पचास पैसे से कम के ब्याज की हिसाब में नहीं लिया जायेगा । और पचास या उससे अधिक पैसे को अगले रुपये में पूर्णांकित किया जायेगा ।

पूरक व्यवस्थाएं

6. आवेदन पत्र निम्नलिखित कार्यालयों में स्वीकार किये जायेंगे :—

(क) ग्रहमदाबाद, बंगलूर, भुवनेश्वर, बंबई (फोर्स और भागदाला) कलकत्ता, गुवाहाटी, हैदराबाद, जयपुर, कानपुर, मद्रास, नागपुर, नयी दिल्ली, पटना और त्रिवेन्द्रम में स्थित भारतीय रिजर्व बैंक के कार्यालय ; और

(ख) उपर्युक्त (क) में दिये गये स्थानों को छोड़कर भारत में सभी जिला मुख्यालयों में भारतीय स्टेट बैंक की शाखाएं ।

7. ब्याज भ्रदा करने का स्वाम :—इन ऋणों पर भारतीय रिजर्व बैंक के ग्रहमदाबाद, बंगलूर, भुवनेश्वर, बंबई, कलकत्ता, गुवाहाटी, हैदराबाद, जयपुर, कानपुर, मद्रास, नागपुर, नयी दिल्ली, पटना और त्रिवेन्द्रम में स्थित लोक ऋण कार्यालयों तथा भारत में जम्मू और कश्मीर तथा सिक्किम

राज्यों को छोड़कर अन्यत्र किसी राजकोष या उप-राजकोष में ब्याज भ्रदा किया जाएगा ।

8. ब्याज भ्रदा करने समय (वार्षिक बिल अधिनियमों द्वारा निर्धारित दरों पर) काटे गये कर की बापसी भ्रदायगी उन ऋण-धारकों को प्राप्त होगी जिस पर कर लागू नहीं है या जिनपर ऐसी दरों पर कर लागू होता है जो काटे गये कर की दर से कम हों ।

जिस धारक पर कर लागू नहीं है या निर्धारित दर से कम दर पर कर लागू है वह जिले के आयकर अधिकारी को आवेदन कर उनसे एक ऐसा प्रमाणपत्र प्राप्त कर सकता है जिसमें यह प्राधिकृत किया गया हो कि कर की कटौती किये बिना या धारक पर लागू होने वाली न्यूनतम दर पर कर की कटौती करके उसे ब्याज भ्रदा किया जाए ।

भारत का निवासी ऐसा व्यक्ति जिसकी कुल आय छूट की सीमा से अधिक नहीं है, ब्याज भ्रदा करने के लिए अभ्येक्ष्य व्यक्ति को निर्धारित फार्म में दो प्रतियों में घोषणा पत्र भेजने पर कर की कटौती किये बिना ब्याज की राशि प्राप्त कर सकता है ।

9. भ्रदा जारी किये जाने वाले ऋणों पर ब्याज और इसके पहले की अन्य सरकारी प्रतिभूतियों पर मिलने वाले ब्याज तथा अन्य अनुमोदित निवेशों से मिलनेवाली आय की वार्षिक 7,000 रुपयों की सीमा तक और आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 80 ठ के अन्य उपबंधों के अधीन आयकर से छूट प्राप्त होगी ।

10. भ्रदा जारी किये जानेवाले ऋणों में किये जानेवाले निवेशों के मूल्य और इसके पहले सरकारी प्रतिभूतियों में लिये गये अन्य निवेशों और संपत्ति कर अधिनियम की धारा 5 में निविष्ट अन्य निवेशों के मूल्य को भी अधिनियम में निविष्ट सीमा तक संपत्ति कर से छूट प्राप्त होगी ।

11. प्रतिभूतियां केवल स्टॉक प्रमाणपत्रों के रूप में जारी की जायेंगी ।

12. ऋणों के लिए आवेदनपत्र—ऋणों के लिए आवेदनपत्र र. 1000 या उसके गुणजों के लिए होने चाहिए ।

13. आवेदनपत्र इसके साथ संलग्न फार्म में या किसी ऐसे दूसरे फार्म में होने चाहिए जिसमें राशि, आवेदक का पूरा नाम और पता तथा उस कार्यालय का स्पष्ट उल्लेख हो जहां आवेदक ब्याज की भ्रदायगी की अपेक्षा करता है ।

14. आवेदनपत्रों के साथ आवश्यक राशि नकदी या बैंक के रूप में प्रेषित की जानी चाहिए । भारतीय रिजर्व बैंक या भारतीय स्टेट बैंक के कार्यालय में प्रस्तुत किये जाने वाले बैंक संबंधित बैंक के नाम ग्राहक किये जाने चाहिए ।

15. स्वीकृत बैंकों को उनके द्वारा अपने ग्राहकों की ओर से प्रस्तुत ऋण आवेदनपत्रों पर किये गये आबंटनों पर तथा बलालों को उनके द्वारा प्रस्तुत और उनकी मुहूरयुक्त ऋण आवेदनपत्रों पर किये गये आबंटनों पर प्रति र. 100.00 (सांकेतिक) 6 पैसे की दर पर बलाली भ्रदा की जायेगी । बैंक—वाणिज्य और सरकारी बैंक उनके अपने अधिकारियों के लिए बलाली की भ्रदायगी के पात्र नहीं होंगे ।

राष्ट्रपति के आदेश से,
बी. बालमुब्रमणियन, विशेष कार्य अधिकारी

आवेदन पत्र का फार्म

(पूरा / पूरे नाम)

2. मैं/हम* चाहता हूँ/चाहते हैं कि उनका ब्याप.....में भेदा किया जाए ।

इस खाने में प्रायः कुछ न लिखें शिष्टिकां

आशाता काबलिय द्वारा की जाएंगी ।

आवक

दिनांक

*जो आवश्यक न ही उसे काट दिया जाए ।

टिप्पणियाँ (1) प्रत्येक ऋण के लिए अलग-अलग आबेदन किया जाए।

- (2) यदि आवेदक का हस्ताक्षर अगूठे के निशान के रूप में हो तो दो व्यक्ति उसके साथी हो। साक्षियों के हस्ताक्षरों के नीचे उनके पूरे नाम व्यवसाय और पते दिये जाएं।
- (3) यदि आवेदन किसी पंजीकृत निकाय के नाम से किया जाए तो निवेदन आवेदन पत्र के साथ निम्नलिखित दस्तावेज यदि वे लोक श्रृणु कार्यालय में पहले ही पंजीकृत न किये गये हों तो संलग्न किये जाएं।
 - (1) नियमन/पंजीकरण का मूल प्रमाणपत्र या कार्यालय के मूद्रांक के अधीन जारी करने वाले प्राधिकारी द्वारा प्रमाणित उसकी सत्य प्रतिलिपि।
 - (2) कंपनी/निकाय के बहिर्नियमों और अंतर्नियमों या नियमों और विनियमों/उप-नियमों की प्रमाणित प्रतिलिपियां।
 - (3) कंपनी/निकाय की ओर से सरकारी प्रतिभूतियों का लेने देने करने के लिए प्राधिकृत व्यक्ति (यों) के पत्र में किये गये संकेत तो प्रना-जित प्रतिलिपि, उसके/उनके बिधिवत् सत्यापित नमूना हस्ताक्षर/हस्ताक्षरों के साथ।
 - (4) आवेदकों को- उन्हें जारी किये जाने वाले स्टॉक प्रमाणपत्र/पत्रों पर उमाही व्याज के प्रेषण के लिए प्रावेदक फार्म (लोक श्रृणु कार्यालय में उपलब्ध) की धरना चाहिए।

MINISTRY OF FINANCE

(Department of Economic Affairs) *

New Delhi, the 28th September, 1987

NOTIFICATION

No. F. 4 (5) W&M/87 :—Subscriptions for the issues of 10.50 per cent. Loan, 1997 (Third Issue); 11.00 per cent. Loan, 2002 (Third Issue) and 11.50 per cent Loan, 2007 for an aggregate amount of Rs. 1500 crores will be received in the form of cash on the 5th October 1987 upto the close of Banking hours. In the event of 5th October 1987 being declared a holiday by any State Government under the Negotiable Instruments Act, 1881, the subscriptions will be received at the concerned receiving offices in that State upto the close of Banking hours on the next working day. Government reserve the right to retain subscriptions received upto 10 per cent or as near thereto as possible in excess of the sum of Rs. 1500 crores.

2. If the total subscriptions to the aforesaid Loans exceed the sum of Rs.1650 crores, partial allotment will be made to the subscribers in cash on a proportionate basis. If partial allotment is made, the excess subscriptions will be refunded as soon as possible after partial allotment. No interest will be paid on the amounts so refunded.

3. 10.50 per cent. Loan, 1997 (Third Issue) issued at Rs. 100.00 per cent. and redeemable at par on the 11th May 1997.

- (i) Date of repayment.—The Loan will be repaid at par on the 11th May 1997.
- (ii) Issue Price.—The issue price will be Rs. 1000.00 for every Rs. 1000.00 (Nominal).
- (iii) Interest.—The Loan will bear interest at the rate of 10.50 per cent. Per annum from 5th October 1987. Interest for the period from 5th October 1987 to 10th November 1987 (inclusive) will be paid on 11th November 1987 and thereafter interest will be paid half-yearly on the 11th May and 11th November. The interest paid will, sub-

ject to the provisions of paragraphs 8 and 9 below, be liable to tax under the Income-tax Act 1961. The net amount of interest will be paid after rounding off to the nearest 5 paise.

4. 11.00 per cent. Loan, 2002 (Third Issue) issued at Rs. 100.00 per cent and redeemable at par on the 11th May 2002.

- (i) Date of repayment.—The Loan will be repaid par on the 11th May 2002.
- (ii) Issue Price.—The issue price will be Rs. 1000.00 for every Rs. 1000.00 (Nominal).
- (iii) Interest.—The Loan will bear interest at the rate of 11.00 per cent. Per annum from 5th October 1987. Interest for the period from 5th October 1987 to 10th November 1987 (inclusive) will be paid on 11th November 1987 and thereafter interest will be paid half-yearly on the 11th May and 11th November the interest paid will, subject to the provisions of paragraphs 8 and 9 below, be liable to tax under the Income tax Act, 1961. The net amount of interest will be paid after rounding off to the nearest 5 paise.

5. 11.50 per cent. Loan, 2007 issued at Rs. 100.00 per cent. and redeemable at par on the 5th October 2007.

- (i) Date of Repayment.—The Loan will be repaid at par on the 5th October 2007.
- (ii) Issue Price.—The issue price will be Rs. 1000.00 for every Rs. 1000.00 (Nominal).
- (iii) Interest.—The Loan will bear interest at the rate of 11.50 per cent. per annum from 5th October 1987. Interest will be paid half yearly on the 5th April and 5th October. The interest paid will, subject to the provisions of paragraphs 8 and 9 below, be liable to tax under the Income-tax Act, 1961. The net amount of interest will be paid after rounding off to the nearest whole rupee. For this purpose amount of interest less than paise fifty will be ignored and paise fifty or more will be rounded off to the next rupee.

SUPPLEMENTARY PROVISIONS

6. Applications will be received at :

(a) Offices of the Reserve Bank of India at Ahmedabad, Bangalore, Bhubaneswar, Bombay (Fort and Byculla), Calcutta, Guwahati, Hyderabad, Jaipur, Kanpur, Madras, Nagpur, New Delhi, Patna and Trivandrum; and

(b) Branches of the State Bank of India at all the DISTRICT HEADQUARTERS in India except at (a) above.

7. Place of Payment of Interest.—Interest on the Loans will be paid at the Public Debt Offices of the Reserve Bank of India at Ahmedabad, Bangalore, Bhubaneswar, Bombay, Calcutta, Guwahati, Hyderabad, Jaipur, Kanpur, Madras, Nagpur, New Delhi, Patna and Trivandrum and at any Treasury or Sub-Treasury elsewhere in India except the States of Jammu & Kashmir and Sikkim.

8. Refunds of tax deducted at the time of payment of interest (at the rates prescribed by the Annual Finance Acts) will be obtainable by holders of the Loan who are not liable to tax or who are liable to tax at rates lower than the rate at which tax was deducted.

A holder who is not liable to tax or who is liable to tax at a rate lower than the prescribed rate, can obtain, on application, a certificate from the Income-tax Officer of the district, authorising payment of interest to him without deduction of tax or with deduction of tax at such lower rate as may be applicable to the holder.

An individual resident in India whose total income does not exceed the exemption limit can obtain, on furnishing a declaration in the prescribed form in duplicate to the person responsible for paying the interest, the amount of interest without deduction of tax.

9. Interest on the Loans now issued together with interest on other previous Government Securities and income from other approved investments will be exempt from income-tax subject to a limit of Rs. 7,000 per annum and subject to the other provisions of Section 80L of the Income-tax Act, 1961.

The value of investments in the Loans now issued together with the value of other previous investments in Government Securities and the other investments specified in Section 5 of the Wealth-tax Act will also be exempted from the wealth-tax upto the limit specified in the Act.

11. THE SECURITIES WILL BE ISSUED IN THE FORM OF STOCK ONLY.

12. APPLICATIONS FOR THE LOANS.—APPLICATIONS FOR THE LOANS MUST BE FOR RS. 1000 OR A MULTIPLE OF THAT SUM.

13. Applications may be in the form attached hereto or in any other form which states clearly the amount, the full name and address of the applicant and the office at which he desires the interest to be paid.

14. Applications should be accompanied by the necessary payment in the form of cash or cheque. Cheques tendered at the office of the Reserve Bank of India or the State Bank of India should be drawn in favour of the bank concerned.

15. Brokerage will be paid at the rate of 6 paise per Rs. 100.00 (Nominal) to recognised banks on allotments in respect of applications for the loans tendered by them on behalf of their clients and brokers on allotments made in respect of applications for the loans tendered by them and bearing their stamp. Banks—Commercial and Co-operative banks—will not be eligible for payment of brokerage in respect of their own subscriptions.

By order of the President,

V. BALASUBRAMANIAN, Officer on Special Duty.

BROKER'S STAMP WITH ADDRESS

FORM OF APPLICATION

I/We*
(Full Name's in Block Letters)

herewith tender* Cash Rs. (Rupees)

Cheque for

and request that Securities of 10.50 per cent. Loan, 1997 (Third Issue)*/11.00 per cent. Loan, 2002 (Third Issue)*
/11.50 % per cent. Loan, 2007* of the nominal value of Rs. may
be issued to me/us* in the form of *Stock Certificate/credit to my/our* S.G.L. Account.

2. I/We* desire that interest be paid at

N.B.—The applicant should not write anything in this cage. The
entries will be filled in by the Receiving Office.

Signature (s)

Name (s) in full
(Block Letters)

	Initials	Date
Application No.
N.B. Stamp
Cash Received on
Cheque Realised on
Credited to Special Current Account on
Examined
Cash
Applications
Register posted
Brokerage
Register
posted
Indent No.
Slip No.
Card No.
Voucher passed on

Dated the
of October, 1987

*Delete what is not required.

Notes :—(1) Separate applications should be made for each Loan.

- (2) If the applicant's signature is by thumb mark it should be witnessed by two persons. The full names, occupations and addresses of the witnesses should be appended to their signatures.
- (3) If the application is made in the name of the registered body, the undernoted documents, if not already registered at the Public Debt Office, should be enclosed with the investment application :—
 - (i) Certificate of Incorporation/Registration in original or a copy thereof certified as true by the issuing authority under his office seal.
 - (ii) Certified copies of Memorandum and Articles of Association or the Rules and Regulations/ Bye-laws of the company/body.
 - (iii) Certified copy of resolution in favour of the person/s authorised to deal in Government Securities on behalf of the company/body together with his/their duly attested specimen signature(s).
- (4) Applicants should also complete a Mandate Form (obtainable from Public Debt Office) for remittance of half-yearly interest on Stock Certificate/s issued to them.

